



रजिस्टर्ड डाक ए.डी.द्वारा :-

क	अपील / फाइल नम्बर / Appeal / File No.	मूल आदेश सं / O.I.O. No.	दिनांक / Date:
	V2/16/BVR/2019	V/18-18/Ref-Sachdeva/18-19	27/02/2019

ख अपील आदेश नम्बरा (Order-In-Appeal No.):

**BHV-EXCUS-000-APP-233-2019**

आदेश का दिनांक / Date of Order:	25.09.2019	जारी करने की तारीख / Date of issue:	04.10.2019
------------------------------------	------------	--	------------

श्री गोपी नाथ, आयुक्त (अपील्स), राजकोट द्वारा पारित /  
Passed by **Shri Gopi Nath**, Commissioner (Appeals), Rajkot

ग अपर आयुक्त / संयुक्त आयुक्त / उपायुक्त / सहायक आयुक्त, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क / सेवाकर / वस्तु एवं सेवाकर,  
राजकोट / जामनगर / गांधीधाम द्वारा उपरलिखित जारी मूल आदेश से मूजित: /  
Arising out of above mentioned OIO issued by Additional/Joint/Deputy/Assistant Commissioner,  
Central Excise/ST / GST, Rajkot/Jamnagar/Gandhidham :

घ अपीलकर्ता & प्रतिवादी का नाम एवं पता / Name & Address of the Appellants & Respondent :-

**M/s.Sachdeva Steel Products (Rolling Mill), Plot No. 508, GIDC, Phase-II, Sihor, Bhavnagar.Gujarat-364240**

इस आदेश (अपील) में व्यक्तित्व का यह व्यक्ति निम्नलिखित तरीके में उपयुक्त प्राधिकारी / प्राधिकरण के समक्ष अपील दायर कर सकता है /  
Any person aggrieved by this Order-in-Appeal may file an appeal to the appropriate authority in the following way.

(A) सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण के प्रति अपील, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 की धारा 35B के अंतर्गत एवं वित्त अधिनियम, 1994 की धारा 86 के अंतर्गत निम्नलिखित जगह की जा सकती है। /

Appeal to Customs, Excise & Service Tax Appellate Tribunal under Section 35B of CEA, 1944 / Under Section 86 of the Finance Act, 1994 an appeal lies to:-

(i) वर्गीकरण मूल्यांकन से सम्बंधित सभी मामले सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क एवं सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण की विशेष पीठ, वेस्ट ब्लॉक नं 2, आर.के.पुरम, नई दिल्ली, को की जानी चाहिए। /

The special bench of Customs, Excise & Service Tax Appellate Tribunal of West Block No. 2, R.K. Puram, New Delhi in all matters relating to classification and valuation.

(ii) उपरोक्त परिच्छेद 1(a) में बतलाए गए अपीलों के अलावा शेष सभी अपीलों सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण (मिस्ट्र) की पश्चिम क्षेत्रीय पीठिका, द्वितीय तल, बहुमाली भवन अमरावा अहमदाबाद- 380016 को की जानी चाहिए। /

To the West regional bench of Customs, Excise & Service Tax Appellate Tribunal (CESTAT) at, 2<sup>nd</sup> Floor, Bhaumali Bhawan, Asarwa Ahmedabad-380016 in case of appeals other than as mentioned in para- 1(a) above

(iii) अपीलीय न्यायाधिकरण के समक्ष अपील प्रस्तुत करने के लिए केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (अपील) नियमावली, 2001, के नियम 6 के अंतर्गत निर्धारित किए गए प्रपत्र EA-3 का चार प्रतियों में दर्ज किया जाना चाहिए। इनमें से कम से कम एक प्रति के साथ, जहां उत्पाद शुल्क की मांग, ब्याज की मांग और लगाना गया जुर्माना, रूपरेखा 5 लाख या उससे कम, 5 लाख रूपरेखा या 50 लाख रूपरेखा तक अथवा 50 लाख रूपरेखा से अधिक है तो क्रमशः 1,000/- रुपये, 5,000/- रुपये अथवा 10,000/- रुपये का निर्धारित जमा शुल्क की प्रति संलग्न करें। निर्धारित शुल्क का भुगतान, संबंधित अपीलीय न्यायाधिकरण की शाखा के सहायक रजिस्ट्रार के नाम से किसी भी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक द्वारा जारी रेखांकित बैंक ड्राफ्ट द्वारा किया जाना चाहिए। संबंधित ड्राफ्ट का भुगतान, बैंक की उस शाखा में होना चाहिए जहां संबंधित अपीलीय न्यायाधिकरण की शाखा स्थित है। स्थगन आदेश (स्टे ऑर्डर) के लिए आवेदन-पत्र के साथ 500/- रूपरेखा का निर्धारित शुल्क जमा करना होगा। /

The appeal to the Appellate Tribunal shall be filed in quadruplicate in form EA-3 / as prescribed under Rule 6 of Central Excise (Appeal) Rules, 2001 and shall be accompanied against one which at least should be accompanied by a fee of Rs. 1,000/- Rs.5000/-, Rs.10,000/- where amount of duty/demand/interest/penalty/refund is upto 5 Lac., 5 Lac to 50 Lac and above 50 Lac respectively in the form of crossed bank draft in favour of Asst. Registrar of branch of any nominated public sector bank of the place where the bench of any nominated public sector bank of the place where the bench of the Tribunal is situated. Application made for grant of stay shall be accompanied by a fee of Rs. 500/-.

(B) अपीलीय न्यायाधिकरण के समक्ष अपील, वित्त अधिनियम, 1994 की धारा 86(1), के अंतर्गत सेवाकर नियमावली, 1994, के नियम 9(1) के तहत निर्धारित प्रपत्र S.T.-5 में चार प्रतियों में की जा सकती है एवं उसके साथ जिस आदेश के विरुद्ध अपील की गयी हो, उसकी प्रति साथ में संलग्न करें (उनमें से एक प्रति प्रमाणित होनी चाहिए) और इनमें से कम से कम एक प्रति के साथ, जहां सेवाकर की मांग, ब्याज की मांग और लगाया गया जुर्माना, रूपरेखा 5 लाख या उससे कम, 5 लाख रूपरेखा या 50 लाख रूपरेखा तक अथवा 50 लाख रूपरेखा से अधिक है तो क्रमशः 1,000/- रुपये, 5,000/- रुपये अथवा 10,000/- रुपये का निर्धारित जमा शुल्क की प्रति संलग्न करें। निर्धारित शुल्क का भुगतान, संबंधित अपीलीय न्यायाधिकरण की शाखा के सहायक रजिस्ट्रार के नाम से किसी भी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक द्वारा जारी रेखांकित बैंक ड्राफ्ट द्वारा किया जाना चाहिए। संबंधित ड्राफ्ट का भुगतान, बैंक की उस शाखा में होना चाहिए जहां संबंधित अपीलीय न्यायाधिकरण की शाखा स्थित है। स्थगन आदेश (स्टे ऑर्डर) के लिए आवेदन-पत्र के साथ 500/- रूपरेखा का निर्धारित शुल्क जमा करना होगा। /

The appeal under sub section (1) of Section 86 of the Finance Act, 1994, to the Appellate Tribunal Shall be filed in quadruplicate in Form S.T.5 as prescribed under Rule 9(1) of the Service Tax Rules, 1994, and Shall be accompanied by a copy of the order appealed against (one of which shall be certified copy) and should be accompanied by a fees of Rs. 1000/- where the amount of service tax & interest demanded & penalty levied of Rs. 5 Lakhs or less, Rs.5000/- where the amount of service tax & interest demanded & penalty levied is more than five lakhs but not exceeding Rs. Fifty Lakhs, Rs.10,000/- where the amount of service tax & interest demanded & penalty levied is more than fifty Lakhs rupees, in the form of crossed bank draft in favour of the Assistant Registrar of the bench of nominated Public Sector Bank of the place where the bench of Tribunal is situated. / Application made for grant of stay shall be accompanied by a fee of Rs.500/-.



- (i) वित्त अधिनियम, 1994 की धारा 86 की उप-धाराओं (2) एवं (2A) के अंतर्गत दर्ज की गयी अपील, सेवाकर नियमवाली, 1994, के नियम 9(2) एवं 9(2A) के तहत निर्धारित प्रपत्र S.T.-7 में की जा सकेगी एवं उसके साथ आयुक्त, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अथवा आयुक्त (अपील), केन्द्रीय उत्पाद शुल्क द्वारा पारित आदेश की प्रतियाँ संलग्न करें (उनमें से एक प्रति प्रमाणित होनी चाहिए) और आयुक्त द्वारा सहायक आयुक्त अथवा उपायुक्त, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क/ सेवाकर, को अपीलीय न्यायाधिकरण को आवेदन दर्ज करने का निर्देश देने वाले आदेश की प्रति भी साथ में संलग्न करनी होगी। / The appeal under sub section (2) and (2A) of the section 86 the Finance Act 1994, shall be filed in Form ST.7 as prescribed under Rule 9 (2) & 9(2A) of the Service Tax Rules, 1994 and shall be accompanied by a copy of order of Commissioner Central Excise or Commissioner, Central Excise (Appeals) (one of which shall be a certified copy) and copy of the order passed by the Commissioner authorizing the Assistant Commissioner or Deputy Commissioner of Central Excise/ Service Tax to file the appeal before the Appellate Tribunal.
- (ii) सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवाकर अपीलीय प्राधिकरण (सेस्टेट) के प्रति अपीलों के मामले में केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम 1944 की धारा 35एफ के अंतर्गत, जो की वित्तीय अधिनियम, 1994 की धारा 83 के अंतर्गत सेवाकर को भी लागू की गई है, इस आदेश के प्रति अपीलीय प्राधिकरण में अपील करते समय उत्पाद शुल्क/सेवा कर मांग के 10 प्रतिशत (10%), जब मांग एवं जमाना विवादित है, या जमाना, जब केवल जमाना विवादित है, का भुगतान किया जाए, बशर्ते कि इस धारा के अंतर्गत जमा कि जाने वाली अपेक्षित देय राशि दम करोड़ रूपय से अधिक न हो।  
केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवाकर के अंतर्गत "मांग किए गए शुल्क" में निम्न शामिल है  
(i) धारा 11 डी के अंतर्गत रकम  
(ii) सेनवेट जमा की ली गई गलत राशि  
(iii) सेनवेट जमा नियमावली के नियम 6 के अंतर्गत देय रकम  
- बशर्ते यह कि इस धारा के प्रावधान वित्तीय (सं 2) अधिनियम 2014 के आरंभ से पूर्व किसी अपीलीय प्राधिकरण के मध्य विचारार्थीन स्थगन अर्जा एवं अपील को लागू नहीं होंगे। / For an appeal to be filed before the CESTAT, under Section 35F of the Central Excise Act, 1944 which is also made applicable to Service Tax under Section 83 of the Finance Act, 1994, an appeal against this order shall lie before the Tribunal on payment of 10% of the duty demanded where duty or duty and penalty are in dispute, or penalty, where penalty alone is in dispute, provided the amount of pre-deposit payable would be subject to a ceiling of Rs. 10 Crores, Under Central Excise and Service Tax, "Duty Demanded" shall include:  
(i) amount determined under Section 11 D;  
(ii) amount of erroneous Cenvat Credit taken;  
(iii) amount payable under Rule 6 of the Cenvat Credit Rules  
- provided further that the provisions of this Section shall not apply to the stay application and appeals pending before any appellate authority prior to the commencement of the Finance (No.2) Act, 2014.
- (C) भारत सरकार को पुनरीक्षण आवेदन :  
**Revision application to Government of India:**  
आदेश की पुनरीक्षणयाचिका निम्नलिखित मामलों में, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1994 की धारा 35EE के प्रथमपरतुक के अंतर्गत अवर मंचित, भारत सरकार, पुनरीक्षण आवेदन ईकाई, वित्त मंत्रालय, राजस्व विभाग, चौथी मंजिल, जीवन दीप भवन, मंसद मार्ग, नई दिल्ली-110001, को किया जाना चाहिए। / A revision application lies to the Under Secretary, to the Government of India, Revision Application Unit, Ministry of Finance, Department of Revenue, 4th Floor, Jeevan Deep Building, Parliament Street, New Delhi-110001, under Section 35EE of the CEA 1944 in respect of the following case, governed by first proviso to sub-section (1) of Section-35B ibid:  
(i) यदि माल के किसी नुकसान के मामले में, जहां नुकसान किसी माल को किसी कारखाने से भंडार गृह के पारगमन के दौरान या किसी अन्य कारखाने या फिर किसी एक भंडार गृह से दूसरे भंडार गृह, पारगमन के दौरान, या किसी भंडार गृह में या भंडारण में माल के प्रसंस्करण के दौरान, किसी कारखाने या किसी भंडार गृह में माल के नुकसान के मामले में। / In case of any loss of goods, where the loss occurs in transit from a factory to a warehouse or to another factory or from one warehouse to another during the course of processing of the goods in a warehouse or in storage whether in a factory or in a warehouse  
(ii) भारत के बाहर किसी राष्ट्र या क्षेत्र को निर्यात कर रहे माल के विनिर्माण में प्रयुक्त कच्चे माल पर भरी गई केन्द्रीय उत्पाद शुल्क के क्रेडिट (रिवेट) के मामले में, जो भारत के बाहर किसी राष्ट्र या क्षेत्र को निर्यात की गयी है; / In case of rebate of duty of excise on goods exported to any country or territory outside India of on excisable material used in the manufacture of the goods which are exported to any country or territory outside India.  
(iii) यदि उत्पाद शुल्क का भुगतान किए बिना भारत के बाहर, नेपाल या भूटान को माल निर्यात किया गया है। / In case of goods exported outside India export to Nepal or Bhutan, without payment of duty.  
(iv) मुनिश्चित उत्पाद के उत्पादन शुल्क के भुगतान के लिए जो ड्यूटी क्रेडिट इस अधिनियम एवं इसके विभिन्न प्रावधानों के तहत मान्य की गई है और गेम्मे आदेश जो आयुक्त (अपील) के द्वारा वित्त अधिनियम (सं 2), 1998 की धारा 109 के द्वारा नियत की गई तारीख अथवा समायाचिका पर या बाद में पारित किए गये हों। / Credit of any duty allowed to be utilized towards payment of excise duty on final products under the provisions of this Act or the Rules made there under such order is passed by the Commissioner (Appeals) on or after, the date appointed under Sec. 109 of the Finance (No.2) Act, 1998.  
(v) उपरोक्त आवेदन की दो प्रतियाँ प्रपत्र संख्या EA-8 में, जो की केन्द्रीय उत्पादन शुल्क (अपील) नियमावली, 2001, के नियम 9 के अंतर्गत विनिर्दिष्ट है, इस आदेश के संप्रेषण के 3 माह के अंतर्गत की जानी चाहिए। उपरोक्त आवेदन के साथ मूल आदेश के साथ मूल आदेश की दो प्रतियाँ संलग्न की जानी चाहिए। साथ ही केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 की धारा 35-EE के तहत निर्धारित शुल्क की अदायगी के साक्ष्य के तौर पर TR-6 की प्रति संलग्न की जानी चाहिए। / The above application shall be made in duplicate in Form No. EA-8 as specified under Rule, 9 of Central Excise (Appeals) Rules, 2001 within 3 months from the date on which the order sought to be appealed against is communicated and shall be accompanied by two copies each of the OIO and Order-In-Appeal. It should also be accompanied by a copy of TR-6 Challan evidencing payment of prescribed fee as prescribed under Section 35-EE of CEA, 1944, under Major Head of Account.  
(vi) पुनरीक्षण आवेदन के साथ निम्नलिखित निर्धारित शुल्क की अदायगी की जानी चाहिए।  
जहाँ संलग्न रकम एक लाख रूपये या उससे कम हो तो रूपये 200/- का भुगतान किया जाए और यदि संलग्न रकम एक लाख रूपये से ज्यादा हो तो रूपये 1000 -/ का भुगतान किया जाए।  
The revision application shall be accompanied by a fee of Rs. 200/- where the amount involved in Rupees One Lac or less and Rs. 1000/- where the amount involved is more than Rupees One Lac.  
(D) यदि इस आदेश में कोई मूल आदेशों का समावेश है तो प्रत्येक मूल आदेश के लिए शुल्क का भुगतान, उपर्युक्त ढंग में किया जाना चाहिए। इस तथ्य के होने हुए भी की लिखा पट्टी कार्य में बचने के लिए यथास्थिति अपीलीय न्यायाधिकरण को एक अपील या केन्द्रीय सरकार को एक आवेदन किया जाना है। / In case, if the order covers various numbers of order- in Original, fee for each O.I.O. should be paid in the aforesaid manner, not withstanding the fact that the one appeal to the Appellant Tribunal or the one application to the Central Govt. As the case may be, is filled to avoid scriptoria work if excising Rs. 1 lakh fee of Rs. 100/- for each.  
(E) यथामंशोधित न्यायालय शुल्क अधिनियम, 1975, के अनुसूची-1 के अनुसार मूल आदेश एवं स्थगन आदेश की प्रति पर निर्धारित 6.50 रूपये का न्यायालय शुल्क टिकट लगा होना चाहिए। / One copy of application or O.I.O. as the case may be, and the order of the adjudicating authority shall bear a court fee stamp of Rs.6.50 as prescribed under Schedule-I in terms of the Court Fee Act, 1975, as amended.  
(F) सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण (कार्य विधि) नियमावली, 1982 में वर्णित एवं अन्य संबन्धित मामलों को सम्मिलित करने वाले नियमों की ओर भी ध्यान आकर्षित किया जाता है। / Attention is also invited to the rules covering these and other related matters contained in the Customs, Excise and Service Appellate Tribunal (Procedure) Rules, 1982.  
(G) उच्च अपीलीय प्राधिकारी को अपील दाखिल करने से संबंधित व्यापक, विस्तृत और नवीनतम प्रावधानों के लिए, अपीलार्थी विभागीय वेबसाइट www.cbec.gov.in को देख सकते हैं। / For the elaborate, detailed and latest provisions relating to filing of appeal to the higher appellate authority, the appellant may refer to the Departmental website www.cbec.gov.in



**::ORDER-IN-APPEAL ::**

M/s. Sachdeva Steel Products (Rolling Mill), Plot No. 508, GIDC, Phase – II, Sihor, Dist - Bhavnagar (hereinafter referred to as 'Appellant') has filed the present appeal against Order-In-Original No. R-46/Refund/18-19 dated 10.08.2018 (hereinafter referred to as 'the impugned order'), passed by the Assistant Commissioner, Central Goods & Service Tax Division, Bhavnagar – I (hereinafter referred to as "the adjudicating authority").

02. The brief facts of the case are that the appellant was engaged in the manufacture of Rolled Products of Iron and Steel falling under chapter 72 of the First Schedule to the Central Excise Tariff Act, 1985 and were availing deemed credit @ Rs. 920/- per MT in terms of CBEC Order No. TS/36/94-TRU dated 01.03.1994 which allows credit of duty in respect of ingots and re-rollable materials of Iron Steel to re-rollers availing of the exemption under Notification No. 01/93-CE dated 28.2.1993 without production of documents evidencing of payment of duty. This Notification was withdrawn w.e.f. 01.04.1995 vide CBEC Circular No. TS/8/95-TRU dated 16.03.1995. As per circular No. 77/77/94/CE dated 10.11.1994 the CBEC clarified that since the scrap cleared by the ship-breakers had not suffered the duty, deemed credit was not admissible on such scrap. Therefore, aforesaid appellant was issued Show Cause Notice for recovery of deemed credit taken and utilized by them from 01.02.1995 to 15.03.1995 and same were adjudicated by adjudication authority. The aforesaid appellant filed appeal against the Order in Original before Commissioner (Appeal) who vide OIA No. 76 to 108/99 dated 29.10.1999 upheld the impugned OIO. Against which appeal was filed before Tribunal who vide Order No. C-I/233-332/03-WZB dated 03.02.2003 allowed deemed credit upto clearance value of Rs. 75 lakhs. Since, there was no order on interest, fine and penalties, they filed application for rectification of mistake before tribunal who vide order No. C-I/M/396-461/WZB/04 dated 22.07.2004 set aside fine & penalties and allowed deemed credit upto clearance value of Rs. 75 lakhs. No order was passed by Tribunal on interest. The appellant had made a payment of interest amount under protest vide TR-6 challan against OIO passed by the adjudicating authority. The Hon'ble Tribunal vide Order No. A/1375/WZB/AHD/2007 dated 12.06 2007 directed to re-quantify the duty demand and resultant interest in terms of provision of Section 11AA of the Central Excise Act. Aforesaid appellant filed refund claim for refund of interest paid by them under protest; the adjudicating authority vide their order sanction the refund claims in terms of Section 11B of the Central Excise Act, 1944 but appropriated the amount sanctioned of refund in terms of Section 11 of the Central Excise Act, 1944 against the outstanding demand of the department which is pending and unstayed before Hon'ble High Court.

03. Being aggrieved with the impugned order, the appellant preferred the present appeal, *inter alia*, on the following grounds:

सत्यापित  
संजय शेट  
अधीक्षक (अपील)

*J*



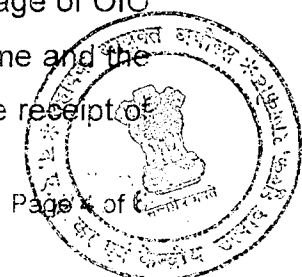
- i. The impugned order is not proper and legal. The impugned order is passed by violating the Hon'ble High Court's order and issued without authority of law and adjusted the Government dues while carrying out necessary process in sanctioning of refund claim; that as per settled case laws, such action of the adjudicating authority to adjust such dues which was stood as paid up, the adjudicating authority had grossly erred in adjusting such refund claim against such irrelevant outstanding dues.
- ii. The issue covered in Order in Original is pertaining to eligibility of deemed Modvat Credit, which had been decided by the Hon'ble High Court of Gujarat in their favour vide order. The same issue for further period is pending before the Hon'ble High Court of Gujarat. Hence on merits also, the issue covered in said OIO is in their favour and they were not required to pay any interest or penalty. The adjudicating authority has without any authority of law, appropriated the sanctioned refund claim.
- iii. Further, appellant has stated that he has filed a tax appeal against the impugned order and matter is pending with Hon'ble High Court and submitted that there was not any amount of arrears were pending for remained to be paid as the appellant the due dues at the material time when the said tax appeal was come on board with regard to the issue of stay proceedings against such dues arise on account of the above mentioned OIO. Therefore, adjudicating authority has wrongly and without any authority of law has adjusted the outstanding dues on the basis of jurisdictional range superintendent's report and amount shown in arrears is not pertaining to the duty of Central Excise but pertaining to the so-called amount of interest with reference to the said Order in Original.

04. Personal hearing in the matter was attended to by Shri N.K.Maru and Shri U.H.Qureshi, Consultants, Central Excise, Service Tax and Customs, who reiterated Grounds of Appeal and submitted that their appeal may be decided on the basis of above facts and legal position.

05. In light of the above facts, I find that the appeal first needs to be decided on the limitation of time. Ongoing through the facts of the case, I find that the appeal has been filed beyond 90 days of the receipt of the impugned order. The matter regarding delay of receipt of the impugned order was taken up with the Jurisdictional Central Goods & Service Tax Division, Bhavnagar-I through email dated 23.09.2019 who reported that the impugned order was served upon the appellant on 20.08.2018 as is evident from the stamp, signature and date of authorized person of the appellant on the first page of OIO No. R-46/Refund/18-19 dated 10.08.2018 in token of having received the same and the present appeal has been filed on 25.03.2019 after lapse of 217 days from the receipt of impugned order.

सत्यापित  
संजय शेठ  
अधीक्षक (अपील)

*[Handwritten Signature]*



भारत सरकार  
 अहिंसा  
 केन्द्रीय उत्पाद शुल्क विभाग - सिडहर - II  
 Plot No. 43, HARIYALA PLOT, BHAVNAGAR,  
 BHAVNAGAR, 364001 Phone: 0278-232213, 2320942  
 2439673, FAX: 0278-2326941, E-mail:  
 Cgstappeals@nic.nic.in

हारा कारिका  
 YOGESH P. UNDE  
 सहायक आयुक्त,  
 केन्द्रीय GST सिडहर नडल,  
 भावनगर - 11

आदेश दिनांक : 14/04/2019  
 आदेश करने की तिथि : 16/04/2019

*Callus on 3-1-81 made*

मूल आदेश संख्या: R- 46 /Refund/18-19

जिसके लिए यह आदेश जारी किया गया है, उसका प्रतिफल आदेश के लिए यह की  
 निशुल्क प्रदान की जाती है।

अदि कोई व्यक्ति इस आदेश से स्वयं को असंतुष्ट अनुभव करता है, तो यह इस आदेश के विरुद्ध  
 अपील (अपील), केन्द्रीय GST भवन, रैसगोवर्ली, रिम रोड, राजकोट का प्रारूप डीए - 1 में अपील की  
 सकता है। उक्त आदेश पक्षकार पत्र तारीख होने पर अथवा उसे उक्त आदेश पाने की तारीख से दो महीने  
 के भीतर दाखिल की जारी चाहिए। अपील पर रुपये 2 50/- का न्यायालय शुल्क टिकट देना आवश्यक  
 है।

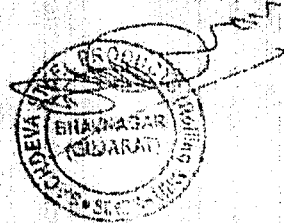
केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (अपील) नियमावली 2002 के नियम 3 के साथ पठित केन्द्रीय उत्पाद शुल्क  
 अधिनियम, 1944 की धारा 35 (1) के उपबन्धों के अनुसार, अपील प्रारूप डीए - 1 में दो प्रतिमां में दाखिल  
 की जानी चाहिए। उस पर केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (अपील) नियमावली 2002 के नियम 3 के उप नियम 2 के  
 उपबन्धों के अनुसार अपीलकर्ताओं द्वारा इस्ताफर किए जाने चाहिए।

इसके साथ निम्नलिखित संलग्न किया जाए:-

1. उक्त अपील की दो प्रतिप्रियां।
2. आदेश की प्रतिमां, उनमें से एक प्रमाणित प्रति होनी तथा अन्य पर रुपये 2 50 मात्र का  
 न्यायालय शुल्क टिकट अलग लगा होना चाहिए।

का संख्या- V/18-18/Ref-Sachdeva/18-19

**RPAD**  
 To  
 M/s. Sachdeva Steel Products (Rolling Mill),  
 508, GIDC, Phase-II  
 Sihar  
 Distt. Bhavnagar



**Subject:** Sanction of Refund claim of Interest amounting to ₹ 2,02,078/- filed by M/s.  
 Sachdeva Steel Products (Rolling Mill), Sihar.

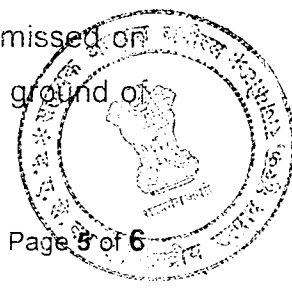
*Recd  
 20/4/19  
 201/FILE*

Page 1 of 1

06. The Commissioner (Appeals), as per proviso to Section 35(1) of the Central Excise Act, is vested with power to condone delay of maximum up to thirty days, over and above the normal period of sixty days, albeit on reasonable cause being shown. The present appeal is filed beyond stipulated time limit of 90 days provided under the statute. I find no reason to entertain such an appeal beyond power given to me. Therefore, I am of the considered view that such an appeal is liable to be dismissed on the ground of limitation alone. Accordingly, I reject the present appeal on the ground of

सत्यापित  
 संजय शेठ  
 अधीक्षक (अपील्स)

*Je*



6. अपीलकर्ता द्वारा दर्ज की गई अपील का निपटारा उपरोक्त तरीके से किया जाता है।
7. The appeal filed by the appellant stands disposed off in above terms.

सत्यापित  
संजय शेट  
अधीक्षक (अपील्स)

(Gopi Nath) 25/9/19  
Commissioner (Appeals)

By R.P.A.D.

To,

M/s. Sachdeva Steel Products (Rolling Mill),  
Plot No. 508, GIDC, Phase - II,  
Sihor, Dist - Bhavnagar



Copy to:

1. The Chief Commissioner, GST & Central Excise, Ahmedabad Zone, Ahmedabad.
2. The Commissioner, GST & Central Excise, Bhavnagar Commissionerate, Bhavnagar.
3. The Assistant Commissioner, GST & Central Excise Division-I, Bhavnagar
4. Guard File.